



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN22835	ImageGroup:	I4CN10274
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	བསྐལ་བཟང་ཐུབ་བསྟན་འཛིགས་མེད་བསྟན་པའི་རྒྱལ་མཚན་གྱི་རྣམ་ཐར། bskal bzang thub bstan 'jigs med bstan pa'i rgyal mtshan gyi rnam thar/
Author:	
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	2
Total Volumes:	2
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

[illegible]

Copyright © 2006 by John Wiley & Sons, Inc.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

भारत-संघात् प्रविष्टिः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

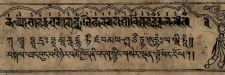
सुप्रसन्नचित्तोऽयं भवति ॥ २॥

ॐ
नमो
भगवते
ॐ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय
हन्तः पाण्डुपुत्रो मया द्रुपदमुनिं प्रभुम् ॥ ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय ॥ ४ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ १० ॥ द्रुपद उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
[The text in this block is extremely faint and illegible due to the quality of the scan. It appears to be a single line of handwritten text.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥



[The text in this image is extremely faint and illegible.]

[illegible]

[illegible]



[The text in this image is extremely faded and illegible.]



[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रष्टव्यं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ॥
 पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥
 द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव उवाच ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous paragraph of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ १ ॥
2. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ २ ॥
3. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ३ ॥
4. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ४ ॥
5. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ५ ॥
6. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ६ ॥
7. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ७ ॥
8. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ८ ॥
9. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ ९ ॥
10. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ १० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular border. The text is dense and appears to be a formal document or manuscript. The script is written in dark ink on aged, slightly discolored paper. The lines are closely spaced, and the characters are well-defined, though some may be difficult to decipher due to the image quality. The overall appearance is that of a historical record or a religious text.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

104
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a list or index of items in a traditional East Asian script.]

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper appears aged and slightly discolored.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः
काँश्चिद्दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रो वीर्यवान्
उवाच । तदा शूराणां प्रहाराद्युद्धम् । पाण्डुराज उवाच ।
तदा द्रुपद उवाच । द्रुपद उवाच । द्रुपद उवाच ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

123456789101112131415161718192021222324252627282930313233343536373839404142434445464748495051525354555657585960616263646566676869707172737475767778798081828384858687888990919293949596979899100101102103104105106107108109110111112113114115116117118119120121122123124125126127128129130131132133134135136137138139140141142143144145146147148149150151152153154155156157158159160161162163164165166167168169170171172173174175176177178179180181182183184185186187188189190191192193194195196197198199200201202203204205206207208209210211212213214215216217218219220221222223224225226227228229230231232233234235236237238239240241242243244245246247248249250251252253254255256257258259260261262263264265266267268269270271272273274275276277278279280281282283284285286287288289290291292293294295296297298299300301302303304305306307308309310311312313314315316317318319320321322323324325326327328329330331332333334335336337338339340341342343344345346347348349350351352353354355356357358359360361362363364365366367368369370371372373374375376377378379380381382383384385386387388389390391392393394395396397398399400401402403404405406407408409410411412413414415416417418419420421422423424425426427428429430431432433434435436437438439440441442443444445446447448449450451452453454455456457458459460461462463464465466467468469470471472473474475476477478479480481482483484485486487488489490491492493494495496497498499500501502503504505506507508509510511512513514515516517518519520521522523524525526527528529530531532533534535536537538539540541542543544545546547548549550551552553554555556557558559560561562563564565566567568569570571572573574575576577578579580581582583584585586587588589590591592593594595596597598599600601602603604605606607608609610611612613614615616617618619620621622623624625626627628629630631632633634635636637638639640641642643644645646647648649650651652653654655656657658659660661662663664665666667668669670671672673674675676677678679680681682683684685686687688689690691692693694695696697698699700701702703704705706707708709710711712713714715716717718719720721722723724725726727728729730731732733734735736737738739740741742743744745746747748749750751752753754755756757758759760761762763764765766767768769770771772773774775776777778779780781782783784785786787788789790791792793794795796797798799800801802803804805806807808809810811812813814815816817818819820821822823824825826827828829830831832833834835836837838839840841842843844845846847848849850851852853854855856857858859860861862863864865866867868869870871872873874875876877878879880881882883884885886887888889890891892893894895896897898899900901902903904905906907908909910911912913914915916917918919920921922923924925926927928929930931932933934935936937938939940941942943944945946947948949950951952953954955956957958959960961962963964965966967968969970971972973974975976977978979980981982983984985986987988989990991992993994995996997998999100010011002100310041005100610071008100910101011101210131014101510161017101810191020102110221023102410251026102710281029103010311032103310341035103610371038103910401041104210431044104510461047104810491050105110521053105410551056105710581059106010611062106310641065106610671068106910701071107210731074107510761077107810791080108110821083108410851086108710881089109010911092109310941095109610971098109911001101110211031104110511061107110811091110111111121113111411151116111711181119112011211122112311241125112611271128112911301131113211331134113511361137113811391140114111421143114411451146114711481149115011511152115311541155115611571158115911601161116211631164116511661167116811691170117111721173117411751176117711781179118011811182118311841185118611871188118911901191119211931194119511961197119811991200120112021203120412051206120712081209121012111212121312141215121612171218121912201221122212231224122512261227122812291230123112321233123412351236123712381239124012411242124312441245124612471248124912501251125212531254125512561257125812591260126112621263126412651266126712681269127012711272127312741275127612771278127912801281128212831284128512861287128812891290129112921293129412951296129712981299130013011302130313041305130613071308130913101311131213131314131513161317131813191320132113221323132413251326132713281329133013311332133313341335133613371338133913401341134213431344134513461347134813491350135113521353135413551356135713581359136013611362136313641365136613671368136913701371137213731374137513761377137813791380138113821383138413851386138713881389139013911392139313941395139613971398139914001401140214031404140514061407140814091410141114121413141414151416141714181419142014211422142314241425142614271428142914301431143214331434143514361437143814391440144114421443144414451446144714481449145014511452145314541455145614571458145914601461146214631464146514661467146814691470147114721473147414751476147714781479148014811482148314841485148614871488148914901491149214931494149514961497149814991500150115021503150415051506150715081509151015111512151315141515151615171518151915201521152215231524152515261527152815291530153115321533153415351536153715381539154015411542154315441545154615471548154915501551155215531554155515561557155815591560156115621563156415651566156715681569157015711572157315741575157615771578157915801581158215831584158515861587158815891590159115921593159415951596159715981599160016011602160316041605160616071608160916101611161216131614161516161617161816191620162116221623162416251626162716281629163016311632163316341635163616371638163916401641164216431644164516461647164816491650165116521653165416551656165716581659166016611662166316641665166616671668166916701671167216731674167516761677167816791680168116821683168416851686168716881689169016911692169316941695169616971698169917001701170217031704170517061707170817091710171117121713171417151716171717181719172017211722172317241725172617271728172917301731173217331734173517361737173817391740174117421743174417451746174717481749175017511752175317541755175617571758175917601761176217631764176517661767176817691770177117721773177417751776177717781779178017811782178317841785178617871788178917901791179217931794179517961797179817991800180118021803180418051806180718081809181018111812181318141815181618171818181918201821182218231824182518261827182818291830183118321833183418351836183718381839184018411842184318441845184618471848184918501851185218531854185518561857185818591860186118621863186418651866186718681869187018711872187318741875187618771878187918801881188218831884188518861887188818891890189118921893189418951896189718981899190019011902190319041905190619071908190919101911191219131914191519161917191819191920192119221923192419251926192719281929193019311932193319341935193619371938193919401941194219431944194519461947194819491950195119521953195419551956195719581959196019611962196319641965196619671968196919701971197219731974197519761977197819791980198119821983198419851986198719881989199019911992199319941995199619971998199920002001200220032004200520062007200820092010201120122013201420152016201720182019202020212022202320242025202620272028202920302031203220332034203520362037203820392040204120422043204420452046204720482049205020512052205320542055205620572058205920602061206220632064206520662067206820692070207120722073207420752076207720782079208020812082208320842085208620872088208920902091209220932094209520962097209820992100210121022103210421052106210721082109211021112112211321142115211621172118211921202121212221232124212521262127212821292130213121322133213421352136213721382139214021412142214321442145214621472148214921502151215221532154215521562157215821592160216121622163216421652166216721682169217021712172217321742175217621772178217921802181218221832184218521862187218821892190219121922193219421952196219721982199220022012202220322042205220622072208220922102211221222132214221522162217221822192220222122222223222422252226222722282229223022312232223322342235223622372238223922402241224222432244224522462247224822492250225122522253225422552256225722582259226022612262226322642265226622672268226922702271227222732274227522762277227822792280228122822283228422852286228722882289229022912292229322942295229622972298229923002301230223032304230523062307230823092310231123122313231423152316231723182319232023212322232323242325232623272328232923302331233223332334233523362337233823392340234123422343234423452346234723482349235023512352235323542355235623572358235923602361236223632364236523662367236823692370237123722373237423752376237723782379238023812382238323842385238623872388238923902391239223932394239523962397239823992400240124022403240424052406240724082409241024112412241324142415241624172418241924202421242224232424242524262427242824292430243124322433243424352436243724382439244024412442244324442445244624472448244924502451245224532454245524562457245824592460246124622463246424652466246724682469247024712472247324742475247624772478247924802481248224832484248524862487248824892490249124922493249424952496249724982499250025012502250325042505250625072508250925102511251225132514251525162517251825192520252125222523252425252526252725282529253025312532253325342535253625372538253925402541254225432544254525462547254825492550255125522553255425552556255725582559256025612562256325642565256625672568256925702571257225732574257525762577257825792580258125822583258425852586258725882589259025912592259325942595259625972598259926002601260226032604260526062607260826092610261126122613261426152616261726182619262026212622262326242625262626272628262926302631263226332634263526362637263826392640264126422643264426452646264726482649265026512652265326542655265626572658265926602661266226632664266526662667266826692670267126722673267426752676267726782679268026812682268326842685268626872688268926902691269226932694269526962697269826992700270127022703270427052706270727082709271027112712271327142715271627172718271927202721272227232724272527262727272827292730273127322733273427352736273727382739274027412742274327442745274627472748274927502751275227532754275527562757275827592760276127622763276427652766276727682769277027712772277327742775277627772778277927802781278227832784278527862787278827892790279127922793279427952796279727982799280028012802280328042805280628072808280928102811281228132814281528162817281828192820282128222823282428252826282728282829283028312832283328342835283628372838283928402841284228432844284528462847284828492850285128522853285428552856285728582859286028612862286328642865286628672868286928702871287228732874287528762877287828792880288128822883288428852886288728882889289028912892289328942895289628972898289929002901290229032904290529062907290829092910291129122913291429152916291729182919292029212922292329242925292629272928292929302931293229332934293529362937293829392940294129422943294429452946294729482949295029512952295329542955295629572958295929602961296229632964296529662967296829692970297129722973297429752976297729782979298029812982298329842985298629872988298929902991299229932994299529962997299829993000300130023003300430053006300730083009301030113012301330143015301630173018301930203021302230233024302530263027302830293030303130323033303430353036303730383039304030413042304330443045304630473048304930503051305230533054305530563057305830593060306130623063306430653066306730683069307030713072307330743075307630773078307930803081308230833084308530863087308830893090309130923093309430953096309730983099310031013102310331043105310631073108310931103111311231133114311531163117311831193120312131223123312431253126312731283129313031313132313331343135313631373138313931403141314231433144314531463147314831493150315131523153315431553156315731583159316031613162316331643165316631673168316931703171317231733174317531763177317831793180318131823183318431853186318731883189319031913192319331943195319631973198319932003201320232033204320532063207320832093210321132123213321432153216321732183219322032213222322332224322532263227322832293230323132323233323432353236323732383239324032413242324332443245324632473248324932503251325232533254325532563257325832593260326132623263326432653266326732683269327032713272327332743275327632773278327932803281328232833284328532863287328832893290329132923293329432953296329732983299330033013302330333043305330633073308330933103311331233133314331533163317331833193320332133223323332433253326332733283329333033313332333333343335333633373338333933403341334233433344334533463347334833493350335133523353335433553356335733583359336033613362336333643365336

[illegible]

100
[Faint handwritten text in a single column, likely a manuscript page. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through.]

[illegible]

10

10

10

10

10

10

10

10

10

10

10

10

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

1
2
3
4
5
6
7
8

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

1234
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a single line of handwritten script.]

[illegible]



1998

100



15

100

154

100

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a single paragraph of handwritten text.]

॥३॥ ॥३॥

10
11
12
13
14
15
16

...
...
...
...
...
...
...

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely Tibetan or Sanskrit. The text is written in a cursive script across approximately 10 horizontal lines. There are some larger, possibly decorative or section-marking characters interspersed among the main body of text. The paper appears aged and slightly discolored.]

100
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly numbered 1 through 10, but the specific content cannot be discerned.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]



[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately seven horizontal lines across the page. Due to significant fading and low contrast, the specific words are illegible.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः । त्वामाहूय मया द्रुपदः प्रभुः
उवाच । अस्मिन्नेतन्महाबाहो । यत्किञ्चिद्भवति परम् ।
तत्त्वमेवमेषां ह्यर्जुन । किञ्चिन्न विन्द्यामहे ।
अथैषां वीर्यवानां महाबाहो । यत्किञ्चिद्भवति परम् ।
तत्त्वमेवमेषां ह्यर्जुन । किञ्चिन्न विन्द्यामहे ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8

...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper appears aged and slightly discolored.

10

11

12

13

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
2
3
4
5
6
7

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्
द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँश्चित्मायां सज्जनपुंगवः ॥ द्रुपदमुपासीत वीर्यवान्

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]



10



[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]



Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

20
21
22
23
24
25

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव
 तस्यैव कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः ॥ २ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

२३
२४
२५
२६
२७
२८
२९

॥ अथ ३० ॥ अथ ३१ ॥ अथ ३२ ॥ अथ ३३ ॥ अथ ३४ ॥ अथ ३५ ॥ अथ ३६ ॥ अथ ३७ ॥ अथ ३८ ॥ अथ ३९ ॥ अथ ४० ॥ अथ ४१ ॥ अथ ४२ ॥ अथ ४३ ॥ अथ ४४ ॥ अथ ४५ ॥ अथ ४६ ॥ अथ ४७ ॥ अथ ४८ ॥ अथ ४९ ॥ अथ ५० ॥ अथ ५१ ॥ अथ ५२ ॥ अथ ५३ ॥ अथ ५४ ॥ अथ ५५ ॥ अथ ५६ ॥ अथ ५७ ॥ अथ ५८ ॥ अथ ५९ ॥ अथ ६० ॥ अथ ६१ ॥ अथ ६२ ॥ अथ ६३ ॥ अथ ६४ ॥ अथ ६५ ॥ अथ ६६ ॥ अथ ६७ ॥ अथ ६८ ॥ अथ ६९ ॥ अथ ७० ॥ अथ ७१ ॥ अथ ७२ ॥ अथ ७३ ॥ अथ ७४ ॥ अथ ७५ ॥ अथ ७६ ॥ अथ ७७ ॥ अथ ७८ ॥ अथ ७९ ॥ अथ ८० ॥ अथ ८१ ॥ अथ ८२ ॥ अथ ८३ ॥ अथ ८४ ॥ अथ ८५ ॥ अथ ८६ ॥ अथ ८७ ॥ अथ ८८ ॥ अथ ८९ ॥ अथ ९० ॥ अथ ९१ ॥ अथ ९२ ॥ अथ ९३ ॥ अथ ९४ ॥ अथ ९५ ॥ अथ ९६ ॥ अथ ९७ ॥ अथ ९८ ॥ अथ ९९ ॥ अथ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । एतन्वाक्यं श्रुत्वा राजमा-
नः साहजिकं बभूव । अर्जुन उवाच । पांडवपुत्र-
स्तप्तुर्वीर्यवान् । तेषामग्रगण्यं दैत्यमुपासीत ।
अस्मिन्नेव क्षणे मे मूर्च्छा पश्यतां प्रभवत् ।
प्रवृत्तौ चित्तं मे न संनिधौ न विद्यते ।
उवाच । अर्जुन । त्वं हि महाबाहो न जानीष्यसे ।
विदुःधर्मं कुतश्चास्मीति । पांडवस्य सखी-
नाम् । तेषां ह्यनुचितं विलोकनं तेन ।
उवाच । अर्जुन । त्वं हि महाबाहो न जानीष्यसे ।
विदुःधर्मं कुतश्चास्मीति । पांडवस्य सखी-
नाम् । तेषां ह्यनुचितं विलोकनं तेन ।

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वामहो बभूवुः ॥
 १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽस्म्यहमेव ययौ युधिष्ठिरः । वीर्यवान् महाकुलः सत्वतो महामना ॥
 २ ॥ भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युः भीमार्जुनसमा ॥ द्रुपदसुहृन्महाबाहो रघुपाणिः ॥
 ३ ॥ विक्रान्तः शैब्यस्तथा द्रुपदसुहृन्महाबाहो ॥ युयुत्सोऽश्मकश्चैव सुहृद्भीमार्जुनसमा ॥
 ४ ॥ साधुर्वीरा महेष्वाजा विशाखः शैब्यश्च तथा ॥ द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमा युधि ॥
 ५ ॥ धृष्टकेतुश्छालः कृपश्चैव द्रुपदश्च वै ॥ साधुर्धर्मशूरश्चैव भीमार्जुनसमा ॥
 ६ ॥ युधामन्युश्चाकर्षः शैब्यश्चैव युधामन्युः ॥ विक्रान्तश्चैव भीमार्जुनसमा युधि ॥
 ७ ॥ धृष्टकेतुश्चाकर्षश्चैव द्रुपदश्च वै ॥ साधुर्धर्मशूरश्चैव भीमार्जुनसमा युधि ॥
 ८ ॥ युधामन्युश्चाकर्षश्चैव द्रुपदश्च वै ॥ साधुर्धर्मशूरश्चैव भीमार्जुनसमा युधि ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is written in a cursive style and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and fills most of the page area.

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in a cursive script, likely Indic or Persian. The text is arranged in horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness, the specific characters are illegible.]

123
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a single line of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]



[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

५२१
५२२
५२३
५२४
५२५
५२६
५२७
५२८
५२९

५२१
५२२
५२३
५२४
५२५
५२६
५२७
५२८
५२९

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

1081
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a single line of handwritten script.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[The following text is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ २ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The text is dense and appears to be a formal record or document. The script is dark and the background is aged and slightly discolored.

[The page contains approximately six horizontal rows of handwritten Devanagari script. The handwriting is dense and cursive, typical of historical manuscript records.]

[illegible]

[illegible]



[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

201
[Faint handwritten text in a single line, likely a list or index, with some characters appearing to be in a different script or dialect. The text is mostly illegible due to fading and bleed-through.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव तस्यैव कुरुक्षेत्रे ॥ १ ॥

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor reproduction quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । एह मे परमो दयाकर मया प्रिय-
दत्त । अर्जुन उवाच । पापमेवं स्यात्मा ज्ञानविना
साधुना । त्वं हि पापात्म्या संराज्यं प्राप्स्यस्यसे ।
अथैवास्मान् पश्यस्य मां धर्मेष्ठि । त्रयं शूरा-
न्मया वीरान्मया च पाण्डुपुत्रं वीरवान्मया ।
अथैवास्मान् पश्यस्य मां धर्मेष्ठि । त्रयं शूरा-
न्मया वीरान्मया च पाण्डुपुत्रं वीरवान्मया ।

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a highly stylized cursive. The document is aged and shows signs of wear, including discoloration and some fading of the ink.

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

100
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a single line of text spanning the width of the page, possibly a header or a section title, but the characters cannot be discerned.]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

100.
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly numbered 1 through 100, but the specific content cannot be transcribed.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1001
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly numbered 1 through 10, but the specific content cannot be discerned.]

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
2
3
4
5
6
7
8
9
10

100

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

100
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or administrative context. The script is likely a form of Indic script, such as Devanagari or Grantha, but the characters are too light to transcribe accurately.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in a cursive script, likely Indic or Persian. The text is arranged in horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific characters are illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

108
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a single line of handwritten text in a historical script, possibly Devanagari, enclosed within a rectangular border. The characters are too light to transcribe accurately.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY
540 EAST 57TH STREET
CHICAGO, ILL. 60637
U.S.A.
TEL: 773/936-5000
FAX: 773/936-5000
WWW.CHICAGO.EDU

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and is enclosed within a rectangular border. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a highly stylized cursive. The document is aged, with visible wear and discoloration.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रोत्तमांशुः शूरां कथयन् वीर्यवान् ॥
 सौमं द्रुपदमुपास्य ततः शूरां कथयन् वीर्यवान् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 भवतु कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सुखं भवति यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ २ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ३ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ४ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ५ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ६ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ७ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ८ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ ९ ॥
यदा भगवत्पदं पश्यति ॥ १० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

14
25
35
45
55
65
75
85
95
105
115
125
135
145
155
165
175
185
195
205
215
225
235
245
255
265
275
285
295
305
315
325
335
345
355
365
375
385
395
405
415
425
435
445
455
465
475
485
495
505
515
525
535
545
555
565
575
585
595
605
615
625
635
645
655
665
675
685
695
705
715
725
735
745
755
765
775
785
795
805
815
825
835
845
855
865
875
885
895
905
915
925
935
945
955
965
975
985
995

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular border. The text is dense and appears to be a continuous passage, possibly a manuscript or a printed page from an old book. The script is highly stylized and characteristic of early modern Indian writing systems.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The manuscript page contains approximately 10-12 lines of handwritten text in Devanagari script. The ink is dark brown or black, and the paper shows signs of age and wear.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

100
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

...
...
...
...
...
...
...

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense, handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे भार्तविराट् सन्निभो द्रुपद उवाच ॥
 १०१ ॥ अहो भवतु कुरुक्षेत्रे भार्तवाणां पाण्डवो जयन्ते ॥ १०२ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥
 १०३ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १०४ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १०५ ॥
 १०६ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १०७ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १०८ ॥
 १०९ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११० ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १११ ॥
 ११२ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११३ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११४ ॥
 ११५ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११६ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११७ ॥
 ११८ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ ११९ ॥ पाण्डवो जयन्ते पाण्डवो जयन्ते ॥ १२० ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ श्रीसुखसागरप्रसादनाम स्तोत्रम् ॥
 सुखसागरं प्रसादात्प्राप्तं सुखं त्रैलोक्ये नृणां
 भवति सर्वदेहि तन्मयास्तेषां सुखसागरात्मकम् ॥
 अथ श्रीसुखसागरप्रसादनाम स्तोत्रम् ॥
 सुखसागरं प्रसादात्प्राप्तं सुखं त्रैलोक्ये नृणां
 भवति सर्वदेहि तन्मयास्तेषां सुखसागरात्मकम् ॥

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with approximately 10 horizontal lines of handwritten text in Devanagari script. The ink is dark brown or black, and the paper appears aged and slightly discolored. Due to the low resolution and blurriness of the scan, the specific words and characters are illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

...
...
...
...
...
...
...

100
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly numbered 1 through 10, but the specific content cannot be discerned.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

100
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 अथ श्रीसुब्रह्मचर्यसंहितायां
 प्रथमोऽध्यायः
 ब्रह्मविद्यायां योगशास्त्रे
 श्रीसुब्रह्मचर्यसंहितायां
 प्रथमोऽध्यायः
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

...
...
...
...
...
...
...

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

...
...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥
संजय उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ सौम्यं धर्मं वीर्यं च युधिष्ठिर ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

101
102
103
104
105
106
107
108
109
110

101
102
103
104
105
106
107
108
109
110

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality.]

1001
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or index of items, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

...
...
...
...
...
...
...
...

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

101
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धस्य प्रारम्भः ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ तदा द्रुपद उवाच ॥ २ ॥
 सौमेधिविराट्पाण्डुपुत्रो वीर्यवान् ॥ शूराग्रस्तमाश्रित्य यो युधि
 ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a cursive script, likely a manuscript page. The text is written in a single column, filling most of the page. The script is dense and appears to be a form of shorthand or a highly stylized cursive. The page is aged and shows signs of wear, including discoloration and some fading of the ink. The text is enclosed within a simple rectangular border.

[illegible]



21

100

125

15



[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to low contrast and scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
2
3
4
5
6
7
8

100
2
3
4
5
6
7
8

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ श्रीभक्तिसुखाशिका नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १० ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a continuous passage of handwritten text in Devanagari script, likely from a historical manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality. It appears to contain several lines of handwritten script.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे
 युद्धस्य प्रारम्भः ॥ द्रुपद उवाच ॥
 पाण्डवस्यैव शरणं गच्छामहे ।
 परमात्मने नमः सदा ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः ॥ २ ॥
 सौमसेन्द्रोत्तमो ज्ञानवान् पाण्डवः ॥
 भीमार्जुनसमा युधि ॥ ३ ॥
 युधामन्यु उवाच ॥ पाण्डवस्यैव शरणं
 गच्छामहे ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः ॥ ५ ॥
 सौमसेन्द्रोत्तमो ज्ञानवान् पाण्डवः ॥
 भीमार्जुनसमा युधि ॥ ६ ॥
 युधामन्यु उवाच ॥ पाण्डवस्यैव शरणं
 गच्छामहे ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संजनाः ॥ ८ ॥
 सौमसेन्द्रोत्तमो ज्ञानवान् पाण्डवः ॥
 भीमार्जुनसमा युधि ॥ ९ ॥
 युधामन्यु उवाच ॥ पाण्डवस्यैव शरणं
 गच्छामहे ॥ १० ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

[Faint, illegible handwritten text]

1. The first part of the document is a title page. It contains the title "THE HISTORY OF THE UNITED STATES OF AMERICA" and the author "BY JAMES MADISON".

[Faint, illegible handwritten text]

2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

卷之五
五
四
三
二
一

一
二
三
四
五
六
七
八
九
十
十一
十二
十三
十四
十五
十六
十七
十八
十九
二十
二十一
二十二
二十三
二十四
二十五
二十六
二十七
二十八
二十九
三十
三十一
三十二
三十三
三十四
三十五
三十六
三十七
三十八
三十九
四十
四十一
四十二
四十三
四十四
四十五
四十六
四十七
四十八
四十九
五十
五十一
五十二
五十三
五十四
五十五
五十六
五十七
五十八
五十九
六十
六十一
六十二
六十三
六十四
六十五
六十六
六十七
六十八
六十九
七十
七十一
七十二
七十三
七十四
七十五
七十六
七十七
七十八
七十九
八十
八十一
八十二
八十三
八十四
八十五
八十六
八十七
八十八
八十九
九十
九十一
九十二
九十三
九十四
九十五
九十六
九十七
九十八
九十九
一百

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ भगवत्पुत्रोद्धारः ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रह्लादं पश्यन् विलोक्य हसन्
 विप्रमन्दिरं गच्छन् नमस्कृत्य चतुर्भुजम् । सदा मुनिनामैश्वर्यं यथा कुरुष्व त्वया ॥
 तस्मात्तु मे भगवन् पुत्रोद्धारः कुरुते ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता उपनिषद्सप्तमोऽध्यायः ॥
 ॥ अथ भगवत्पुत्रोद्धारः ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ त्वं प्रह्लादं पश्यन् विलोक्य हसन्
 विप्रमन्दिरं गच्छन् नमस्कृत्य चतुर्भुजम् । सदा मुनिनामैश्वर्यं यथा कुरुष्व त्वया ॥
 तस्मात्तु मे भगवन् पुत्रोद्धारः कुरुते ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता उपनिषद्सप्तमोऽध्यायः ॥

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

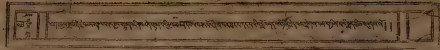
...
...
...
...
...
...
...

104
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a list or index of items, possibly in a historical or scientific context, but the specific details cannot be discerned.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]





॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥





॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, written on aged paper. The text is organized into approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of older Indian manuscripts. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear at the edges.

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage to the original document. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to low contrast and poor scan quality. It appears to be a continuous passage of text across multiple lines.]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

पवित्रं च यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति येन पवित्रं च यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति
तु यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति
यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति
तु यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति
यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति
तु यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति
यत्किंचिदपि विदुः स भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति तस्य भवति

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 कृष्णं श्यामं वीर्यवान्महाबलान्वितम् ।
 सदाशिवं महाकायं चतुर्भुजं त्रिशूलधरम् ॥
 अङ्गद्वयं धारयन्निखिलविघ्नहर्त्रेण प्रभुः ॥
 नमस्कृत्यैवमेतच्छ्लोकं पठति यथा ॥

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely Tibetan or Sanskrit. The text is written in multiple horizontal columns across the page. Due to extreme blurriness, the specific characters are illegible. The script appears to be a historical form of Devanagari or Tibetan script.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीराः ॥

[illegible]

[illegible]

The text in this block is extremely faded and illegible, appearing as horizontal streaks across the page.

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ॥
 १ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि महाबाहो नमस्कृत्य ॥
 २ ॥ तान् संजित्वा राजा ॥ संपश्यन् बभूवुर्धनुर्धरा ॥ ३ ॥ अथ द्रुपद उवाच ॥ ४ ॥
 ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous block of handwritten text.]

[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् । विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।

[illegible]

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

द्वितीयः प्रश्नः । द्वितीयः प्रश्नः । द्वितीयः प्रश्नः । द्वितीयः प्रश्नः । द्वितीयः प्रश्नः ।

[Faint handwritten text across the page]

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint, illegible handwritten text]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिः प्रवक्ष्यामीति श्रुत्वा तदा ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
पांडव उवाच ॥ द्रुपद मुनि उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
पांडव उवाच ॥ द्रुपद मुनि उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
पांडव उवाच ॥ द्रुपद मुनि उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
पांडव उवाच ॥ द्रुपद मुनि उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥ मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीमौ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उपाध्याय ॥ ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि शूरवीराः ॥ १ ॥

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

100
[The text in this block is extremely faded and illegible. It appears to be a list or a series of entries, possibly numbered 1 through 10, but the specific content cannot be discerned.]

[The text in this image is extremely faint and illegible.]

251
[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to the quality of the scan. It appears to be a continuous block of text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, written in a cursive style. The text is contained within a rectangular border.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् ॥ १ ॥

[Faint, illegible handwritten text across the page]

17. *Handwritten text in Devanagari script, likely a continuation of the previous entry.*

[Faint, illegible handwritten text]

[illegible]

[Faint handwritten text across the bottom of the page]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

30
[The text in this block is extremely faint and illegible, appearing to be a list or a series of short paragraphs. It is contained within a rectangular border.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

100

334

152

13

100

100

100

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality. It appears to be a continuous passage of handwritten text.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥ श्रीशक्त्याय नमः ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीरामाय नमः ॥ श्रीजगन्नाथाय नमः ॥ श्रीधर्मराजाय नमः ॥ श्रीपद्मनाभाय नमः ॥ श्रीलोकेश्वराय नमः ॥ श्रीचक्रवर्तीने नमः ॥ श्रीसर्वेश्वराय नमः ॥ श्रीपरमेश्वराय नमः ॥ श्रीअद्वैताचार्याय नमः ॥ श्रीरघुनाथाय नमः ॥ श्रीहनुमान्‌नाथाय नमः ॥ श्रीबाळाजीनाथाय नमः ॥ श्रीछत्रपातीनाथाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीकार्तिकाय नमः ॥ श्रीगौरीनाथाय नमः ॥ श्रीमहादेवाय नमः ॥ श्रीशंकराचार्याय नमः ॥ श्रीतिलकाचार्याय नमः ॥ श्रीसाक्षात्काराचार्याय नमः ॥ श्रीसत्यमेव जयते ॥ श्रीसत्यमेव जयते ॥ श्रीसत्यमेव जयते ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The image shows a single page from an ancient manuscript, likely a Tibetan Buddhist text. The text is written in a dense, cursive script, characteristic of Tibetan calligraphy. It is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. The ink is dark, and the paper appears aged and slightly discolored. There are no visible titles or marginalia.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533
 534
 535
 536
 537
 538
 539
 540
 541
 542
 543
 544
 545
 546
 547
 548
 549
 550
 551
 552
 553
 554
 555
 556
 557
 558
 559
 560
 561
 562
 563
 564
 565
 566
 567
 568
 569
 570
 571
 572
 573
 574
 575
 576
 577
 578
 579
 580
 581
 582
 583
 584
 585
 586
 587
 588
 589
 590
 591
 592
 593
 594
 595
 596
 597
 598
 599
 600
 601
 602
 603
 604
 605
 606
 607
 608
 609
 610
 611
 612
 613
 614
 615
 616
 617
 618
 619
 620

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

विष्णुः कृष्णः शङ्खः चक्रः त्रिशूलः पद्मः धनुः अश्वत्थः गदाः सप्तः शस्त्राणि विष्णोः ।
 भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम देवाः । भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः ।
 भद्रं वक्तव्यमस्य मुखैः । भद्रं नो ज्ञानधनं लुप्यते ।
 भद्रं नो बलं नो वीर्यम् । भद्रं नो दौर्भाग्यं नो हानिः ।
 भद्रं नो दुःप्रसन्नता नो मरणम् । भद्रं नो दुःस्थितिः ।
 भद्रं नो दुःकृत्यम् । भद्रं नो दुःकर्म । भद्रं नो दुःफलम् ।
 भद्रं नो दुःप्राप्तिः । भद्रं नो दुःप्राप्यम् । भद्रं नो दुःप्राप्यम् ।
 भद्रं नो दुःप्राप्यम् । भद्रं नो दुःप्राप्यम् । भद्रं नो दुःप्राप्यम् ।
 भद्रं नो दुःप्राप्यम् । भद्रं नो दुःप्राप्यम् । भद्रं नो दुःप्राप्यम् ।

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

॥ पञ्चमस्कन्धः ॥ अथ पञ्चमस्कन्धो नाम षष्ठः स्कन्धः । अथ पञ्चमस्कन्धो नाम षष्ठः स्कन्धः ।

[illegible]



ॐ । मन्त्रः । अथ भक्त्या यथा शक्तिर्यथा प्रसादात् । अथ भक्त्या यथा शक्तिर्यथा प्रसादात् । अथ भक्त्या यथा शक्तिर्यथा प्रसादात् ।

...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् ।
 १ । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव ।
 २ । पाण्डव उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डव ! त्वया प्रदीप्तं ते ह्यस्त्रं ।
 ३ । बभूवुःशक्र इव तेजसा ॥ त्वं शक्रं वीर्यवान् । त्वं शक्रं वीर्यवान् ।
 ४ । त्वं शक्रं वीर्यवान् । त्वं शक्रं वीर्यवान् । त्वं शक्रं वीर्यवान् । त्वं शक्रं वीर्यवान् ।

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[Faint handwritten Devanagari script across the bottom margin.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and fills most of the page, with some lines showing signs of fading or wear. The overall appearance is that of an old, possibly legal or administrative, record.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The image shows a page from an ancient manuscript with dense handwritten text in Devanagari script. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines across the page. Due to the low resolution and age of the document, the specific words are largely illegible. The script appears to be a historical form of Hindi or Sanskrit.]

Handwritten text in a historical script, likely Devanagari, arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular border. The text is dense and appears to be a formal record or legal document. The script is highly stylized and difficult to decipher without specialized knowledge. The document is written on aged, slightly discolored paper.

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a single column and appears to be in a South Asian script, possibly Devanagari or a related form. The ink is dark, and the paper shows signs of age and wear.

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The page contains dense handwritten text in Devanagari script, which is mostly illegible due to extreme blurring.]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. It consists of several lines of dense, flowing script, characteristic of early modern European handwriting. The text is enclosed within a simple rectangular border. The script is highly stylized, with many loops and flourishes, making it difficult to decipher without specialized knowledge of the specific dialect or language used. The overall appearance is that of a formal or official record, possibly a legal document or a historical account.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969
970
971
972
973
974
975
976
977
978
979
980
981
982
983
984
985
986
987
988
989
990
991
992
993
994
995
996
997
998
999
1000

[illegible]

॥ इति श्रीमद्भगवत्पुस्तके श्रीकृष्णार्जसंवादे श्रीअर्जुनस्य वचनम् ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे युद्धे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ तदा द्रुपदो बभूवुषः प्रोक्तवान् ॥
 सौमेधिविराटश्चैव भीमार्जुनसमा ॥ द्रुपदभीमार्जुनसमा ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥
 तदा द्रुपदो बभूवुषः प्रोक्तवान् ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 मामकाश्च पांडवाश्चैव कीलकाश्च ॥
 द्रुपदो वीराश्चैव ते स गच्छताम् ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥
 द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात्तत्र तदा ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः ॥
 मामकाश्च पांडवाश्चैव कीलकाश्च ॥
 द्रुपदो वीराश्चैव ते स गच्छताम् ॥

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a single line of handwritten script.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

102
[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a single line of text spanning the width of the page, possibly a header or a single line of a larger passage. The characters are difficult to discern but seem to be in a historical script, possibly Chinese or Japanese.]

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written in a dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is dense and fills most of the page, with some lines showing signs of fading or wear. The text appears to be a continuous narrative or record, possibly related to a legal or administrative matter, given the formal nature of the handwriting and the structured layout. The document is framed by a simple border, and the overall appearance suggests it is a well-preserved but aged piece of paper.

一、
 二、
 三、
 四、
 五、
 六、
 七、
 八、
 九、
 十、

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and cursive, characteristic of traditional East Asian or Himalayan writing systems. The paper shows signs of age, including discoloration and some wear along the edges.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

॥ अथ ब्रह्मसूत्रम् ॥
ब्रह्मसूत्रम् । इति श्रीव्यासयोगिनोः सार्वभौमस्य उवाच ।
अनादिममकारं प्रकृतमिदं तत्त्वम् । अविद्यायां कर्मफलमात्मनोऽज्ञानम् ।
तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने । तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने ।
तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने । तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने ।
तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने । तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने ।
तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने । तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने ।
तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने । तस्मात्प्रलयोऽयं विद्यमानस्तदात्मने ।

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

...
...
...
...
...
...

